

प्रेषक,

अरविन्द सिंह ह्यांकी,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग,
देहरादून।

लोक निर्माण अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 04 दिसम्बर, 2014

विषय:- राष्ट्रीय राजमार्ग सं0-58 के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त भागों में विभिन्न 02 कार्यों की पैच मरम्मत कार्य की प्रशासकीय एवं वित्तीय तथा व्यय की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मुख्य अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग देहरादून द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग सं0-58 में क्षतिग्रस्त भाग में पैच मरम्मत हेतु संलग्न विवरणानुसार उपलब्ध कराये गये विस्तृत आगणनों, जिनकी कुल लागत ₹ 427.16 लाख है, पर टी0ए0सी0 वित्त द्वारा औचित्यपूर्ण पाई गई लागत ₹ 406.79 लाख (₹ चार करोड़ छः लाख उन्नासी हजार मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय तथा व्यय की, महामहिम श्री राज्यपाल निम्नांकित शर्तों के अधीन, सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) प्रस्तुत आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के सापेक्ष जो दरें शैड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति पर नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- (ii) कार्य कराने से पूर्व नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय। यह भी देख लिया जाय कि उक्त कार्य इससे पूर्व अन्य विभागीय बजट से न कराये गये हों, यदि कराये गये हैं तो उस सीमा तक धनराशि की स्वीकृति के बाद आहरण नहीं किया जायेगा।
- (iii) स्वीकृत किये जा रहे विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की अनुमति अनिवार्य रूप से प्राप्त की जाय।
- (iv) प्रत्येक स्वीकृत योजना हेतु ठेकेदार के साथ गठित किये जाने वाले अनुबन्ध में, निर्माण से सम्बन्धित माईलस्टोन एवं समय-सारणी स्पष्ट रूप से उल्लिखित की जायेगी तथा अनुबन्ध के अनुरूप ठेकेदार द्वारा कार्य पूरा न किये जाने की दशा में नियमानुसार आवश्यक क्षतिपूर्ति अध्यारोपित करते हुए वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।
- (v) ठेकेदार द्वारा समय से कार्य पूरा न करने की दशा में debitable आधार पर अन्य एजेन्सी का अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के अन्तर्गत नियमानुसार चयन कर निर्माण कार्य पूरा किया जायेगा। स्वीकृत निर्माण कार्य को किसी भी दशा में, शासन की पूर्वानुमति के बिना, अपूर्ण अवस्था में समाप्त नहीं किया जायेगा।
- (vi) विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजाईन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे। इसके अतिरिक्त निर्माण कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण किये जाने का समस्त उत्तरदायित्व सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता का होगा।
- (vii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना की स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।
- (viii) कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- (ix) स्वीकृत किये जा रहे कार्य हेतु वित्तीय हस्त पुस्तिका के सुसंगत नियमों, बजट मैनुअल तथा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2008 एवं उक्त के विषय में समय-समय पर निर्गत समस्त दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।

(x) यदि स्वीकृत किया जा रहा कार्य पूर्व में स्वीकृत है अथवा अन्य विभाग द्वारा स्वीकृत किया गया है तो ऐसे कार्य की स्वीकृति स्वतः निरस्त समझी जायेगी।

(2) इस संबंध में होने वाला व्यय लोक निर्माण विभाग के अनुदान सं०-22 आयोजनेत्तर पक्ष में लेखाशीर्षक-3054-सड़क तथा सेतु 04-जिला और अन्य सड़कें-337 सड़क निर्माण कार्य-03 अनुरक्षण एवं मरम्मत - 01 प्रदेश के मार्गों/पुलिया का अनुरक्षण कार्य-24 वृहत् निर्माण कार्य की मद से निवर्तन में रखी गई धनराशि से आवश्यकतानुसार किया जायेगा।

संलग्नक:-यथोपरि।

भवदीय,

(अरविन्द सिंह ह्यांकी)

अपर सचिव

संख्या:- 5930 (1)/111(2)/14-31(प्रा०आ०)/2014 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (लेखा प्रथम), ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा देहरादून।
2. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
3. सम्बन्धित जिलाधिकारी।
4. मुख्य अभियन्ता, रा०रा० मार्ग, लो.नि.वि., देहरादून।
5. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. सम्बन्धित अधीक्षण अभियन्ता/अधिशाली अभियन्ता लो०नि०वि०, उत्तराखण्ड।
8. गार्ड बुक।

आज्ञा से,

(ए०एस०पांगती)

उप सचिव

शासनादेश सं०:-5930 / 111(2)/14-31(प्रा०आ०)/2014 दिनांक 04 दिसम्बर, 2014 का संलग्नक

(धनराशि लाख ₹ में)

क्र० सं०	कार्य का नाम	स्वीकृत लागत।
1	2	3
1	राष्ट्रीय राजमार्ग सं०:-58 के किमी० 228.20 से किमी० 350.00(ऋषिकेश से सिरोबगड़) तक विभिन्न स्थानों पर क्षतिग्रस्त मार्ग का पैच मरम्मत का कार्य।	304.95
2	जनपद रुद्रप्रयाग में राष्ट्रीय राजमार्ग सं०:-58 (दिल्ली-माण्डा) के किमी० 351.00 से किमी० 364.00 तक पैच मरम्मत का कार्य।	101.84
	योग:-	406.79

(कुल चार करोड़ छः लाख उन्नासी हजार)

(ए०एस०पांगती)
उप सचिव